ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 30 दिसम्बर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 238

खास विश्लेषण : रघुवीर की एंट्री के बाद उदयपुर ग्रामीण सीट को लेकर दावेदारों में कुर्सी रेस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर कांग्रेस संगठन में इन दिनों घमासान मचा हुआ है। रघुवीरसिंह मीणा का जिलाध्यक्ष बनना केवल एक संगठनात्मक नियुक्ति नहीं, बल्कि आने वाले तीन वर्षों की राजनीतिक दिशा तय करने वाला कदम माना जा रहा है। दिलचस्प यह कि रघुवीरसिंह मीणा वो चेहरा हैं जो चाहते तो प्रदेश अध्यक्ष तक की दौड़ में शामिल हो सकते थे। मगर उन्होंने देहात की रणभूमि आखिर क्यों चुनीं। सूत्रों के मुताबिक, यह नाम दिल्ली स्तर तक स्वीकार्य था और सचिन पायलट की सहमति से ही आगे बढ़ा। उदयपुर देहात जिले में छह विधानसभा सीटें आती हैं। यह संभाग का सबसे बड़ा और राजनीतिक रूप से संवेदनशील जिला है। कांग्रेस पार्टी के भीतर यह जिला हमेशा "हेडक्वार्टर" की तरह देखा जाता रहा है। रघुवीर का नाम शुरुआत में पैनल में नहीं था, बाद में जोड़ा गया। यह अपने आप में संकेत है कि यह फैसला साधारण नहीं था। सलूंबर बनाम उदयपुर ग्रामीण में फंसी रणनीति रघुवीरसिंह मीणा बीते उपचुनाव में कांग्रेस की हार के बाद से सलूंबर में लगातार सक्रिय हो गए थे। मौत-मरण, शादी-ब्याह—हर सामाजिक मौके पर मौजूद रहकर मीणा अपनी खोई जमीन वापस लेने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन जिलाध्यक्ष की कुर्सी ने उनके समीकरण धुआंधार अंदाज में बदल दिए। सलूंबर अब उनकी प्राथमिकता में पीछे जाता दिख रहा है, जबकि उदयपुर ग्रामीण की ओर उनकी मौजूदगी बढ़ती नजर आ रही है। इसे समय का फेर कहें या मजबूरी यह खुद मीणा तय नहीं कर पा रहे हैं, ऐसा दिखाई दे रहा है। परमानंद का आना, रेशमा का सक्रिय होना, अब क्या करेंगे रघुवीर इस बीच रेशमा मीणा के चुनाव संयोजक रहे परमानंद मेहता का जिलाध्यक्ष बनना भी अहम संकेत देता है। संगठन में उन्हें अब स्पष्ट निर्देश हैं कि विधायक प्रत्याशी को साथ लेकर चलना है हर पार्टी के आयोजन में। यहां मजबूरी यह है कि प्रत्याशी रेशमा मीणा थीं। रघुवीर की धर्मपत्नी बसंती मीणा—जो 2013 और 2018 की प्रत्याशी रह चुकी हैं, इस नए समीकरण से लगभग बाहर दिख रही हैं। यही कारण है कि बीज-खाद को लेकर ज्ञापन तक सलूंबर में रघुवीरसिंह मीणा ने मोर्चे पर उपस्थित रह कर दिया। जबकि बसंती मीणा की फील्ड प्रेजेंस लगातार कमजोर पड़ती दिख रही है। मीणा उस जमीन को हर हाल में अपने अनुकूल ही रखना चाहते हैं। परमानंद मेहता की सोशल मीडिया पोस्ट्स में भी रेशमा मीणा की प्रमुखता साफ नजर आती है। संगठन के भीतर यह संदेश जा चुका है कि उदयपुर ग्रामीण में अब रेशमा की पकड़ मजबूत की जा रही है। ऐसे में इसको डीकोड करके उसका तोड़ निकालना रघुवीर के लिए मुश्किल होता जा रहा है। मगर यह उनको पता है कि हर हाल में उनको यहां कोई ना कोई गलियारा निकालना ही होगा।

धरना, प्रदर्शन और 'दो मोर्चों' की मजबूरी

उदयपुर में इन दिनों कांग्रेस के धरना-प्रदर्शन तेज हैं। ऐसे में रघुवीरसिंह मीणा को एक साथ शहर और ग्रामीण—दोनों जगह प्रेजेंस वो भी निर्णायक रखनी पड़ रही है। दिलचस्प तथ्य यह है कि 2018 में जब सचिन पायलट प्रदेश अध्यक्ष थे, तब रघुवीर को उदयपुर ग्रामीण से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव मिला था, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया था। अब वही बीज दोबारा अंकुरित होते दिख रहे हैं। जानकार कह रहे हैं कि सलूंबर का किला कमजोर रहा और यहां अनुकूल स्थितियां रही तो कुछ दिन बाद ही रघुवीर की बिसात लोगों को उदयपुर ग्रामीण में धरातल पर नजर आने लग जाएंगी।

विवेक कटारा का अब्दुल्ला दीवाना वाल जश्न, दूरी का संकेत? रघुवीरसिंह मीणा के जिलाध्यक्ष बनने के बाद एआईसीसी की दिल्ली महारैली को लेकर बसों की व्यवस्था पर बड़ी बैठक हुई। इसमें जिले के बड़े नेता शामिल थे, लेकिन विवेक कटारा की गैरमौजूदगी ने कई सवाल खड़े कर दिए। इसके बाद उदयपुर देहात की लगभग हर विधानसभा से बसें गईं, लेकिन उदयपुर ग्रामीण से एक भी नहीं। पीसीसी अध्यक्ष ने इस पर सार्वजनिक तौर पर सवाल उठाया। इससे साफ हो गया कि कटार कहीं ना कहीं कटारा परिवार को चुभ तो गई है। भविष्य के संकेत मिल गए हैं। विवेक कटारा के सामने चुनौती यह भी है कि उनका परिवार लगातार तीन चुनाव हार चुका है और हर बार हार का अंतर बढ़ता गया है। प्रदेश नेतृत्व के साथ उनकी ट्यूनिंग भी फिलहाल सहज नहीं मानी जा रही। ऐसे में पार्टी के भीतर यह चर्चा तेज है कि उदयपुर ग्रामीण के लिए रघुवीरसिंह मीणा एक "उपयुक्त और सेफ फेस" बन सकते हैं—साफ छवि, सॉफ्ट इमेज और अब तक विवादों से लगभग मुक्त। विवेक कटारा ने आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर बनने के बाद शक्ति प्रदर्शन भी किया। इसे अब्दुल्ला दीवाना रणनीति कहा जा रहा है। एयरपोर्ट रिसीविंग से लेकर सेक्टर-11 कार्यालय में बड़ी बैठक तक का शो आफ जिसने भी देखा यही सवाल पूछा कि ये हो क्या रहा है भाई??? खेरवाड़ा के बंशीलाल मीणा को भी जिम्मेदारी मिली, लेकिन उसका प्रचार नहीं हो पाया। प्रचार है या अपना कद बचाने की कवायाद। उपलब्धि भले छोटी हो, लेकिन कटारा का प्रचार बड़ा दिखा। यह विवेक कटारा की सोशल मीडिया रणनीति का असर माना जा रहा है।

दिव्यानी कटारा और ताराचंद मीणा भी दिखा रहे उपस्थिति व दावेदारी

दिव्यानी कटारा ने सोशल मीडिया पोस्ट में खुद के नाम के साथ "उदयपुर ग्रामीण" लिखकर साफ संदेश दे दिया है कि वे मैदान में हैं। अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई से लेकर हर धरना-प्रदर्शन में उनकी सक्रियता बढ़ी है। उनके राजनीतिक मार्गदर्शक या गॉड फादर माने जाने वाले ताराचंद मीणा ऊपर तक मजबूत लायजनिंग रखते हैं, वे उनकी बनाई पगडंडी पर तो नहीं चल रहीं लोग पूछ रहे है।। हालांकि विवेक कटारा से तारांचद मीणा के रिश्ते सहज नहीं हैं यह जग जाहिर है।

तारांचद मीणा खुद छिपे हुए दावेदार

ताराचंद मीणा खुद पसोपेश में हैं—झाड़ोल जाएं या उदयपुर ग्रामीण? लोकसभा में वे झाड़ोल से केवल तीन हजार वोटों से हारे थे, इसलिए झुकाव वहीं का है। मिशन कोटडा आपको याद तो होगा। कैसे सरकारी पैसों से राजनीति चमकाई थी मीणा साहब ने कलेक्टर रहते हुए। लेकिन उदयपुर ग्रामीण की राजनीति भी उन्हें आकर्षित कर रही है। फिलहाल उनके इरादे दबे हुए हैं, लेकिन रेस बेहद दिलचस्प हो चुकी है।

कार्यकर्ता पसोपेश में किसके खेमे में जाएं, वेट एंड वॉच मोड में

इन तमाम समीकरणों के बीच कार्यकर्ता शांत है। नजर इस पर है कि रघुवीरसिंह मीणा की पीसीसी में कितनी चलती है, सचिन पायलट से उनका रिश्ता कितना मजबूत है और दिल्ली में उनका वजन क्या है। डोटासरा के 52 हजार बीएलए मॉडल की तारीफ राहुल गांधी कर चुके हैं—ऐसे में संगठनात्मक ताकत का पैमाना भी बदल रहा है। याने किस खेमे में जाएं कार्यकर्ता यह अभी वो यत नहीं कर पा रहा है। वेट एंड वाच ही उसको रास आ रहा है।

आगे की लड़ाई पंचायत से विधानसभा तक

पंचायत चुनाव रघुवीरसिंह मीणा के लिए अग्निपरीक्षा होंगे। छह विधानसभा क्षेत्रों की पंचायतें संभालनी हैं और सलूंबर में चार पंचायत समितियां व एक पालिका—जहां फिलहाल कांग्रेस काबिज है—उन्हें बचाना भी जरूरी है। यहां उन्हें फादर फिगर की भूमिका में उतरना होगा। साथ ही खुद की महत्वाकांक्षाओं के टापुओं पर भी कब्जा नहीं होने देना है। देखा जाए तो फिलहाल उदयपुर कांग्रेस में कोई एकछत्र नेतृत्व नहीं है। रघुवीरसिंह मीणा कितनी जल्दी सबको साथ ला पाते हैं, यह आने वाले महीनों में साफ होगा। वे लगातार फोन कर संवाद बना रहे हैं—संकेत है कि मुकाबला लंबा और दिलचस्प रहने वाला है।

स्मॉल-सेविंग्स-स्कीम्स की ब्याज दरों में हो सकती है कटौती:सरकार 31 दिसंबर तक फैसला करेगी

24 न्यूज अपडेट

देश के करोड़ों निवेशकों के लिए साल 2026 की शुरुआत कुछ बदलावों के साथ हो सकती है। केंद्र सरकार जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के लिए स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स की ब्याज दरों की समीक्षा करने वाली है। जानकारों का मानना है कि इस बार पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF), सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) और सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (SCSS) जैसी स्कीम्स की ब्याज दरों में कटौती की जा सकती है। वित्त मंत्रालय इस संबंध में 31 दिसंबर 2025 तक आधिकारिक घोषणा कर सकता है।

सरकारी बॉन्ड के यील्ड में गिरावट है मुख्य वजह

स्मॉल सेविंग्स स्कीम की ब्याज दरें तय करने के लिए सरकार 'श्यामला गोपीनाथ कमेटी' के फॉर्मूले का इस्तेमाल करती है। इसके तहत इन योजनाओं की दरें सरकारी बॉन्ड (G-Sec) के यील्ड पर आधारित होती हैं। पिछले कुछ महीनों में 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड में गिरावट देखी गई है। सितंबर से दिसंबर 2025 के बीच यह औसतन 6.54% के करीब रही है। फॉर्मूले के हिसाब से इसमें 0.25% का स्प्रेड जोड़ने पर PPF की दर करीब 6.80% होनी चाहिए, जबकि अभी यह 7.1% मिल रही है। यही अंतर कटौती की संभावना को बढ़ा रहा है।

शेयर बाजार में फ्लैट कारोबार:सेंसेक्स 20 अंक गिरकर 84,675 पर आया; ऑटो, मेटल सेक्टर में खरीदारी

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी 30 दिसंबर को शेयर बाजार में फ्लैट कारोबार रहा। सेंसेक्स 20 अंक गिरकर 84,675 पर बंद हुआ है। निफ्टी में 3 अंक की मामूली गिरावट रही, ये 25,938 पर बंद हुआ है।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 में 28 शेयर्स नीचे बंद हुए हैं। NSE के ऑटो, मेटल और बैंकिंग सेक्टोरल इंडेक्स में तेजी रही। वहीं मीडिया, रियल्टी सेक्टर में बिकवाली देखने को मिली है।

5 दिन चढ़ने के बाद चांदी की कीमत 3,111 गिरी:एक किलो 2.32 लाख की हुई; सोना भी 2,182 गिरकर 1.35 लाख पर आया

24 न्यूज अपडेट

आज यानी मंगलवार, 30 दिसंबर को सोने-चांदी के दाम में गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 2,182 रुपए गिरकर 1,34,599 रुपए पर आ गया है। कल यह 1,36,781 रुपए/10G पर था।

लगातार 5 दिन तक चढ़ने के बाद चांदी की कीमत 3,111 रुपए गिर गई है। आज ये 2,32,329 रुपए प्रति किलोग्राम बिक रही है। कल चांदी 2,35,440 रुपए पर थी।

सवा करोड़ कीमत की 1 किलो 203 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार, धोलापानी थाना और डीएसटी की संयुक्त कार्रवाई; पुलिस को चकमा देने के लिए कर रहे थे स्कोटिंग

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 30 दिसम्बर। प्रतापगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत प्रतापगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना धोलापानी और जिला विशेष टीम ने संयुक्त नाकाबंदी के दौरान 1 किलो 203 ग्राम अवैध एमडी ड्रग जब्त कर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1.25 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

एसपी आदित्य ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह के सुपरविजन में मंगलवार 30 दिसंबर को धोलापानी थानाधिकारी प्रवीण कुमार मय जाब्ता बरोल घाटे के पास नाकाबंदी कर रहे थे। इसी दौरान एमपी नम्बर की एक मोटरसाइकिल

पर सवार दो युवक शाहरूख खान और दिलावर खान आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर उन्होंने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने उन्हें घेरकर रोक लिया। पूछताछ में वे संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।

टी-शर्ट के नीचे छिपा रखी थी ड्रग उसी दौरान पीछे से एक और अपाची मोटरसाइकिल आई। पुलिस ने उसे भी रोका तो पीछे बैठा व्यक्ति सफीउल्लाह जंगल की ओर भाग निकला, जबकि चालक रहीम खान को पुलिस ने दबोच लिया। रहीम खान की तलाशी लेने पर उसकी टी-शर्ट के नीचे छिपाई गई पॉलिथीन की थैली से 1 किलो 203 ग्राम एमडी बरामद हुई।

स्कोटिंग के जरिए दे रहे थे सुरक्षा पूछताछ में मुख्य तस्कर रहीम खान ने बताया कि पकड़े गए अन्य दो आरोपी दिलावर और शाहरूख आगे-आगे चलकर पुलिस की लोकेशन देख रहे थे ताकि ड्रग्स की खेप सुरक्षित पहुंच सके। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर परिवहन में प्रयुक्त दोनों मोटरसाइकिलें जब्त कर ली हैं। तीनों आरोपी हथुनिया के रहने वाले हैं।

इस सफल कार्रवाई में धोलापानी थानाधिकारी प्रवीण कुमार, एसआई भंवरसिंह और डीएसटी टीम के सदस्य शामिल रहे। विशेष रूप से कांस्टेबल विनोद, पंकज और साइबर सेल के रमेश की इस पूरी कार्रवाई में महत्वपूर्ण और विशेष भूमिका रही। पुलिस अब फरार आरोपी सफीउल्लाह की तलाश कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह ड्रग्स कहां से लाई गई थी और कहां सप्लाई होनी थी।

संपादकीय : सवालों का घेरा

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बिहार से सवालों का जो सिलसिला शुरू हुआ था, वह देश के अन्य राज्यों में भी नए-नए रूप में सामने आ रहा है। कभी इस प्रक्रिया में बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम के दबाव का मुद्दा उठाया जाता है, तो कभी लाखों लोगों के मसविदा सूची से बाहर हो जाने को लेकर आशंकाओं का नगाड़ा पीटा जा रहा है। पश्चिम बंगाल में तो अब एक नई समस्या सामने आई है, जिसे चुनाव आयोग ने खुद स्वीकार करते हुए सूची में छूट गए मतदाताओं की सुनवाई की प्रक्रिया रोकने का निर्देश दिया है। आयोग का कहना है कि राज्य में वर्ष 2002 की मतदाता सूची के डिजिटलीकरण में तकनीकी समस्या की वजह से कई लोगों के नाम मसविदा सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं और ऐसे लोगों के लिए फिलहाल व्यक्तिगत सुनवाई की जरूरत नहीं है। इससे स्पष्ट है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया खामियों से रहित नहीं है। मगर, सवाल है कि इस तरह की व्यवस्थागत चूक से मतदाताओं को जो नाहक ही मानसिक और अन्य तरह की परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं, उनकी भरपाई कैसे हो पाएगी ? गौरतलब है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया सबसे पहले विहार से शुरू हुई थी तब चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेजों में शामिल न करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। आयोग का तर्क था कि आधार को नागरिकता का पहचान पत्र नहीं माना जा सकता, मगर बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इसे पहचान के दस्तावेजों में शामिल कर दिया गया। इसके बावजूद बिहार में लाखों की संख्या में लोग मतदाता सूची से बाहर रह गए। यह सवाल अब दूसरे राज्यों में भी उठ रहा है, क्योंकि वहां भी बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम मसविदा सूची से हटाए गए हैं। हालांकि, चुनाव आयोग की ओर से अंतिम सूची तैयार करने से पहले पात्र लोगों को अपना नाम जुड़वाने के लिए अवसर दिए जाएंगे, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बिहार की तरह दूसरे राज्यों में भी लाखों लोग सूची से बाहर रह सकते हैं। इसमें एक सवाल आयोग की विश्वसनीयता को लेकर भी उठ रहा है, जिस कारण पश्चिम बंगाल में तो सत्तारूढ़ दल ने अपने स्तर पर मतदाताओं की पात्रता को सत्यापित करने की मुहिम शुरू कर दी है। पुनरीक्षण प्रक्रिया में अभी तक सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में दो करोड़ 89 लाख लोगों के नाम मसविदा सूची से हटाए गए हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि इनमें से पात्र लोगों को प्रक्रिया के अगले चरण में अपनी योग्यता साबित करने का मौका दिया जाएगा। मतदाताओं को सूची से बाहर रखने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें समय पर जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत न करना भी शामिल है। मगर, यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि अगर कोई मतदाता पात्र होने के बावजूद किन्ही कारणों से संबंधित दस्तावेज जमा नहीं करा पाता है, तो क्या उसका मताधिकार खत्म हो जाएगा? और अगर उसके पास मत देने का अधिकार नहीं रहेगा, तो स्वाभाविक है कि देर-सवेर उसकी नागरिकता पर भी सवाल उठेंगे और उसका भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। अगर ऐसे लोगों की संख्या लाखों में होगी, तो समस्या और भी जटिल हो सकती है। इसलिए चुनाव आवेग की यह प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदान के अधिकार से वंचित न हो। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष हो।

राहत की राह

कानून का उद्देश्य केवल अपराध को परिभाषित करना नहीं होता, बल्कि आमजन में यह विश्वास पैदा करना भी होता है कि न्याय सबके लिए समान है। जब यह विश्वास डगमगाने लगता है, तो व्यवस्था के विभिन्न पक्षों में से किसी एक की सजगता भी उम्मीद और राहत की राह दिखाने के लिए काफी होती है । उन्नाव प्रकरण में भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा को निलंबित करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी। इसी के साथ यह भी स्पष्ट हो गया कि फिलहाल जेल से उसकी रिहाई नहीं हो पाएगी। शीर्ष अदालत का यह आदेश इसलिए अहम है, क्योंकि पीड़िता ने सेंगर की रिहाई पर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर खतरे की आशंका जताई थी। यह मामला कितना गंभीर था कि इसे इस बात से समझा जा सकता है कि शीर्ष अदालत के आदेश पर ही इसे उत्तर प्रदेश की निचली अदालत से दिल्ली स्थानांतरित किया गया था। गौरतलब है कि उन्नाव प्रकरण की पीड़िता और उसके परिवार ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के बाद सड़क पर धरना शुरू कर दिया था, लेकिन पुलिस ने उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी। इसके बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उच्च न्यायालय के फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इस मामले में कानून से जुड़े महत्त्वपूर्ण प्रश्न सामने आए हैं, जिन पर विचार किया जाना आवश्यक है। यानी विशेष परिस्थितियों के मद्देनजर उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाई गई। इस आदेश से निश्चित तौर पर पीड़िता के पक्ष में न्याय की उम्मीद जगी है। इस मामले में सीबीआइ की भूमिका भी अहम रही उसकी पहलकदमी और मजबूत दलीलों ने कुलदीप सेंगर की किसी भी संभावित रिहाई के रास्ते फिलहाल बंद कर दिए हैं। भाजपा से निष्कासित सेंगर को पाक्सो के तहत दोषी ठहराया गया था। जब यह घटना हुई, उस समय वह विधायक था और आज भी इलाके में उसका खासा प्रभाव देखा जाता है। यही वजह है कि पीड़िता और उनके परिवार में अब भी भय का माहौल है।

खोड़निया बोले- मेरे खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र, ट्रिब्यूनल कोर्ट से बरी हो चुका हूं, भ्रामक खबर फैलाने वालों पर केस करूंगा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। चर्चित पेपर लीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पूछताछ की बात कहते हुए सामने आई कुछ खबरों के बाद राजनीतिक और कानूनी हलकों में नई बहस छिड़ गई है। पेपर लीक मास्टर माइंड आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा के कथित बयानों के आधार पर मीडिया समूहों द्वारा लगाए गए आरोपों पर अब तत्कालीन डूंगरपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रहे दिनेश खोड़निया का तीखा और स्पष्ट पक्ष सामने आया है। दिनेश खोड़निया ने कहा है कि उनके खिलाफ जो आरोप लगाए जा रहे हैं, वे तथ्यहीन हैं और एक सुनियोजित राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा हैं। उनका कहना है कि इसमें उनकी ही पार्टी के कुछ असंतुष्ट लोग और कुछ यूट्यूब चैनल भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

मीडिया समूह ने क्या आरोप लगाए

खोड़निया ने जिस मीडिया समूह का उल्लेख किया, उसने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया था कि ईडी की पूछताछ में बाबूलाल कटारा ने कबूल किया है कि उसने आरपीएससी सदस्य बनने के लिए 1.20 करोड़ रुपये का सौदा किया था और इस सौदे में दिनेश खोड़निया की भूमिका बताई गई थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इंटरव्यू में चयन के बदले अभ्यर्थियों से वसूली गई राशि का उपयोग इस सौदे में किया गया। इन्हीं दावों को खोड़निया ने सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जांच एजेंसियां ढाई साल तक उनके पीछे रहीं, कई बार पूछताछ हुई, घर पर ईडी की कार्रवाई भी हुई, लेकिन अंततः भारत सरकार की ट्रिब्यूनल कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया।

24 लाख भी लौटे, मामला खत्म हो चुका

खोड़निया ने बताया कि ईडी द्वारा उनके घर से जब्त किए गए 24 लाख रुपये भी बाद में रिलीज कर दिए गए। उनके अनुसार, यह इस बात का प्रमाण है कि एजेंसियों को उनके खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला। उन्होंने यह भी कहा कि बाबूलाल कटारा ने जेल में रहते हुए स्वयं इस पूरे मामले का न्यायालय में खंडन किया था। इसके बावजूद पुराने आरोपों को दोबारा उछालना दुर्भावना से प्रेरित है।

आरपीएससी सदस्य बनने की अनुशंसा करने वालों के नाम

ईडी की पूछताछ में बाबूलाल कटारा द्वारा दिए गए बयानों के अनुसार जो खबरें छपी हैं उसमें बताया गया है कि कटारा को आरपीएससी सदस्य बनने के लिए कई जनप्रतिनिधियों द्वारा तत्कालीन मुख्यमंत्री को अनुशंसा की गई थी। इनमें— तत्कालीन डूंगरपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश खोड़निया, विधायक गणेश गोगरा, खैरवाड़ा विधायक डॉ. दयाराम परमार, बागीदौरा विधायक महेन्द्र सिंह मालवीया, पूर्व सांसद रघुवीर मीणा, जनजाति मंत्री अर्जुन बामणिया, तथा प्रतापगढ़ विधायक रामलाल मीणा के नाम शामिल बताए गए हैं। इन अनुशंसाओं के करीब छह महीने बाद उसका मनोनयन आरपीएससी सदस्य के पद पर हुआ बताया जा रहा है।

मानहानि का मुकदमा करूंगा

दिनेश खोड़निया ने स्पष्ट किया कि वे इस मामले में घबराने वाले नहीं हैं और कुछ पत्रकारों व डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने की तैयारी कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि पूरे घटनाक्रम की जानकारी वे पार्टी नेतृत्व—राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे—को भी देंगे। उन्होंने शुभचिंतकों से अपील की कि वे किसी भी तरह की चिंता न करें, क्योंकि कानूनन वे पहले ही दोषमुक्त हो चुके हैं। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, जांच एजेंसी के समक्ष दिए गए बयान तब तक निर्णायक नहीं माने जा सकते, जब तक वे ठोस साक्ष्यों के साथ अदालत में सिद्ध न हों। खोड़निया के मामले में ट्रिब्यूनल कोर्ट से राहत और जब्त राशि की रिहाई इस बात की पुष्टि करती है कि फिलहाल उनके खिलाफ कोई अभियोजन लंबित नहीं है।

उदयपुर रेलवे स्टेशन पार्किंग क्षेत्र में खड़े ऑटो का कांच चकनाचूर, सुरक्षा पर सवाल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर रेलवे स्टेशन के बाहर सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पार्किंग क्षेत्र में खड़े एक ऑटो पर अचानक पत्थर आकर गिर पड़ा। पत्थर सीधे ऑटो के आगे लगे कांच से टकराया, जिससे कांच पूरी तरह चकनाचूर हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पत्थर रेलवे स्टेशन के सामने स्थित बस्ती की ओर से आने की आशंका जताई जा रही है। ऑटो चालकों का कहना है कि इस क्षेत्र में पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे स्टेशन परिसर में वाहन चालकों और यात्रियों की सुरक्षा लगातार खतरे में बनी हुई है। गनीमत यह रही कि घटना के समय ऑटो में कोई सवारी मौजूद नहीं थी, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि, ऑटो को भारी नुकसान हुआ है। घटना के बाद ऑटो चालक ने सूरजपोल थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और पत्थर फेंकने वाले की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। इस घटना के बाद ऑटो चालकों में रोष है। उन्होंने रेलवे प्रशासन और पुलिस से स्टेशन क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सख्त करने, सीसीटीवी निगरानी बढ़ाने और ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

खड़क चौखला पटेल समाज खेरवाड़ा का प्रतिभा सम्मान समारोह

24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा, यदि समाज के लड़के लड़कियां फैशन व व्यसन बंद कर एकाग्रचित्त होकर मेहनत करे तो वो बहुत आगे बढ़ सकते हैं। उक्त संबोधन खेरवाड़ा के खड़क चौखला पटेल समाज व युवा संगठन के प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि धौलागढ़ धाम के पीठाधीश्वर योगी प्रकाश नाथ ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आगे मुकाम हासिल करने के लिए विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का हौसला बढ़ता है। कार्यक्रम को मुख्य वक्ता प्रदेश प्रधानाचार्य संघ के अध्यक्ष डाया लाल पाटीदार ने कहा कि शिक्षा,संस्कार,संगति,एकता यदि समाज में होगी तो समाज बहुत आगे बढ़ेगा। समाज के लोगों को फिजूलखर्ची कम करके शिक्षा पर जोर देना चाहिए । बच्चों को शिक्षा के साथ साथ सनातन धर्म के संस्कार भी देने चाहिए ताकि बच्चा संस्कारी बनकर मां बाप की बुढ़ापे में सेवा भी करे।

मीडिया प्रभारी यशवंत पटेल के अनुसार प्रतिभा सम्मान समारोह कुल देवी व सरदार पटेल का दीप प्रज्वलित कर शुरू हुआ। कार्यकम की अध्यक्षता समाज अध्यक्ष कुरी चन्द पटेल, मुख्य अतिथि धौलागढ़ धाम के पीठाधीश्वर योगी प्रकाश नाथ,मुख्य वक्ता प्रदेश प्रधानाचार्य संघ के अध्यक्ष डाया लाल पाटीदार, विशिष्ट अतिथि नयागांव एसबीआई बैंक मैनेजर रविन्द्र पाटीदार, खेल समिति अध्यक्ष कोदर लाल पटेल,रुद्र वाहिनी संघ प्रदेश महामंत्री सत्यजीत मीणा थे। प्रतिभा सम्मान समारोह में नव चयनित कार्मिक 40, विशेष उपलब्धि वाले 18, सेवानिवृत्त कार्मिक 13,दसवीं बोर्ड के 140,बारहवीं बोर्ड के 138 को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम से पूर्व समाज के युवा मोहन लाल पटेल ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। साथ ही युवाओं को अच्छे मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन गौतम लाल पटेल व किशन डांगी ने किया।

सतगुरु ट्रैवल में 'कर्मचारी-प्रथम' मॉडलः श्रम कानूनों का अनुपालन, यात्रियों को बेहतर सेवा का भरोसा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। वैश्विक स्तर पर तेजी से विस्तार कर रही ट्रैवल और टूरिज्म इंडस्ट्री में जहां काम के घंटे, दबाव और अस्थिरता को लेकर अक्सर सवाल उठते हैं, वहीं सतगुरु ट्रैवल ग्रुप ने अपने लिए एक अलग पहचान बनाई है। कंपनी ने सभी अंतरराष्ट्रीय कार्यालयों में 'कर्मचारी-प्रथम' संस्कृति को संस्थागत रूप देते हुए इसे सस्टेनेबल ग्रोथ और यात्रियों के हित से सीधे जोड़ा है। दुबई मुख्यालय वाली सतगुरु ट्रैवल आज लगभग 2,500 प्रोफेशनल्स के ग्लोबल वर्कफोर्स के साथ एशिया, अफ्रीका, यूरोप और मिडिल ईस्ट में सक्रिय है। कंपनी का दावा है कि वह जिस भी देश में कार्यरत है, वहां के एचआर फ्रेमवर्क, श्रम कानूनों और कर्मचारी सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन किया जाता है। इसका सीधा असर कार्यस्थल की स्थिरता और सेवा की गुणवत्ता पर पड़ता है।

यात्री हित से जुड़ा मॉडल

विशेषज्ञों के अनुसार ट्रैवल इंडस्ट्री में कर्मचारी संतुष्टि का सीधा संबंध यात्रियों को मिलने वाली सेवा से होता है। प्रशिक्षित, सुरक्षित और संतुलित कार्य वातावरण में काम करने वाला स्टाफ न केवल बेहतर योजना और सपोर्ट देता है, बल्कि संकट की स्थिति में भी यात्रियों के लिए भरोसेमंद साबित होता है। सतगुरु ट्रैवल का 'पीपल-फर्स्ट' दृष्टिकोण इसी सिद्धांत पर आधारित है।

कानून, नैतिकता और पारदर्शिता पर जोर

सतगुरु ट्रैवल के चेयरमैन अनिल चंदीरानी का कहना है कि ट्रैवल और टूरिज्म मूल रूप से एक जन-केंद्रित उद्योग है। उनके शब्दों में, "हम अपने सभी ग्लोबल ऑपरेशंस में स्थानीय श्रम कानूनों और रेगुलेटरी गाइडलाइंस का पूरी सख्ती से पालन करते हैं। निष्पक्षता, सुरक्षा और नियमों का अनुपालन हमारे लिए सिर्फ कॉर्पोरेट दायित्व नहीं, बल्कि दीर्घकालिक सफलता की बुनियाद है। हमारे कर्मचारी हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं।"

देश भर के 250 ब्यूटी आर्टिस्ट व एक्सपर्ट 7 को उदयपुर में, हेयर एंड ब्यूटी फेडरेशन इंडिया का होगा पहला अधिवेशन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। देश भर के ढाई सौ से ज्यादा ब्यूटी आर्टिस्ट व एक्सपर्ट 7 जनवरी को झीलों की नगरी में रहेंगे। यहां हेयर एंड ब्यूटी फेडरेशन इंडिया का पहला राष्ट्रीय अधिवेशन होने जा रहा है। इस अधिवेशन में ब्यूटी व हेयर एक्सपर्ट क्षेत्र के जाने माने लोग उदयपुर आ रहे हैं जिनमें निर्मल रंधावा, हरीश भाटिया और साविया जॉन परेरा जैसे नाम भी है। हेयर एंड ब्यूटी फेडरेशन इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक पालीवाल ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश भर के सौ से ज्यादा ब्यूटी, मेकअप, हेयर स्टाइल क्षेत्रों से जुडी एसोसिएशन को मिलाकर हेयर एंड ब्यूटी फेडरेशन इंडिया का गठन कोविड काल में किया गया था जब इस हेयर और ब्यूटी व्यवसाय को भी कई सारी चुनौतियों का सामना करना पडा था। अब यह फेडरेशन देश के लगभग सभी राज्यों तक पहुंच चुका है। पालीवाल ने बताया कि फेडरेशन का पहला राष्ट्रीय अधिवेशन उदयपुर में मंथन के नाम से 7 जनवरी को होटल इंदर रेजिडेन्सी में आयोजित किया जा रहा है। अधिवेशन में 15 राज्यों से करीब ढाई सौ चुनिन्दा प्रतिनिधि भाग लेने आ रहे हैं। प्रतिभागी विभिन्न एसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव या अन्य पदाधिकारी हैं। श्री पालीवाल ने बताया कि अधिवेशन के पहले सत्र में उद्घाटन कार्यक्रम होगा और उसके बाद फेशन शो आयोजित होगा। इसमें देश भर की करीब 15 मॉडल ब्यूटी व क्रियेटिव हेयर स्टाइल का प्रदर्शन करेंगी। इन्हें तैयार करने वाले देश के नामी हेयर एक्सपर्ट भी उदयपुर आ रहे हैं जिन्हें कई बडे मंचों पर अवार्ड मिल चुके हैं। श्री पालीवाल ने बताया कि अधिवेशन के दूसरे सत्र में फेडरेशन द्वारा तय किए गए 13 विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय लिए जाएंगे। इनमें प्रमुख रुप से सभी राज्यों में केश कला बोर्ड का गठन करने व बोर्ड के लिए समुचित बजट जारी करने, कार्यकाल चार वर्ष करने तथा बोर्ड अध्यक्ष पद पर इस पेशे से जुडे व्यक्ति को ही नियुक्त करने की मांग प्रमुख है। इसके अलावा स्वास्थ्य एवं सुरक्षा तथा शिक्षा, केमिकल युक्त कॉस्मेटिक से बचने के लिए लोगों को जागरुक करने, पेशे से जुडे लोगों को भी पद्म श्री अवार्ड देने, इस पेशे में काम करने वाले लोगों के लिए पेंशनव स्वास्थ्य की माकुल व्यवस्था के लिए योजना बनाने, बिजनेस डेवलपमेंट तथा एकजुटता को लेकर चर्चा की जाएगी। चर्चा के पश्चात राष्ट्रीय स्तर पर एक कमेटी का गठन किया जाएगा जो इन मुद्दों को सरकार तक लेकर जाएगी। अधिवेशन में फेडरेशन के सचिव निर्मल रंधावा, मुंबई से हरीश भाटिया, श्याम भाटिया, साविया जॉन परेरा, पंजाब से इंदिरा आहलुवालिया, सीमा जे. राजानी, उदय टक्के, मधुमिता सैकिया, नीता पारेख, पिंकी सिंह, विपुल चूड़ासमा, विपिन दबास के साथ ही ब्यूटी एंड वेलनेस सेक्टर स्कील-बीडब्ल्यूएसएससी के अध्यक्ष ब्लाजम कोचर व डायरेक्टर मोनिका बहल भी उदयपुर आ रहे हैं। इनके अलावा कई नामी हस्तियां उदयपुर आ रही है। प्रेस वार्ता में कोरियोग्राफर राजेश शर्मा, हेयर एंड मेकअप आर्टिस्ट श्वेताशा पालीवाल तथा हेयर एंड ब्यूटी आर्गेनाइजेशन राजस्थान की उदयपुर शाखा अध्यक्ष भारती सेन भी उपस्थित थे।

नए साल से विरासत देखना होगा महंगा, चित्तौड़गढ़ दुर्ग के म्यूजियम की एंट्री फीस बढ़ी

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़ | राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहरों को देखने की योजना बना रहे सैलानियों के लिए नए साल की शुरुआत झटका लेकर आ रही है। चित्तौड़गढ़ दुर्ग स्थित म्यूजियम में प्रवेश अब पहले की तुलना में महंगा हो गया है। पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग ने एक जनवरी से नई एंट्री फीस लागू करने का निर्णय लिया है। यह फैसला जयपुर स्थित पुरातत्व एवं संग्रहालय निदेशालय से जारी आदेश के बाद लिया गया, जिसकी औपचारिक घोषणा मंगलवार को उदयपुर संभाग स्तर पर कर दी गई।

नई दरों के मुताबिक

चित्तौड़गढ़ दुर्ग के म्यूजियम में भारतीय पर्यटकों को 50 रुपये भारतीय विद्यार्थियों को 25 रुपये विदेशी पर्यटकों को 250 रुपये विदेशी विद्यार्थियों को 100 रुपये प्रवेश शुल्क देना होगा। इसके साथ ही दुर्ग परिसर के ऐतिहासिक फतह प्रकाश महल में प्रवेश के लिए भी 50 रुपये शुल्क तय किया गया है।

विभाग बोला-धरोहर बचाने के लिए जरूरी कदम

पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, उदयपुर के अधीक्षक हिमांशु सिंह ने बताया कि फीस में यह बढ़ोतरी मनमानी नहीं है। उनका कहना है कि म्यूजियम के संरक्षण, भवनों की मरम्मत, संग्रहित ऐतिहासिक वस्तुओं की सुरक्षा और पर्यटकों की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त संसाधनों की जरूरत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बढ़ी हुई राशि का उपयोग सीधे म्यूजियम के रखरखाव और विकास कार्यों में किया जाएगा।

सिर्फ चित्तौड़गढ़ नहीं, पूरे उदयपुर संभाग पर असर

महत्वपूर्ण बात यह है कि यह बदलाव केवल चित्तौड़गढ़ दुर्ग तक सीमित नहीं है। उदयपुर संभाग के अंतर्गत आने वाले सभी म्यूजियम में एक जनवरी से संशोधित एंट्री फीस लागू होगी। यानी अब संभाग के किसी भी म्यूजियम में पुराने रेट पर टिकट नहीं मिलेगा। नए साल से ठीक पहले फीस बढ़ने से पर्यटकों और स्थानीय लोगों में असंतोष भी देखने को मिल रहा है। खासकर नियमित रूप से म्यूजियम देखने आने वाले छात्रों और परिवारों को यह निर्णय अखर रहा है। वहीं विभाग का मानना है कि यदि ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखना है तो यह फैसला अपरिहार्य था।

नए साल से बदलेगा रेल सफर का शेड्यूल, उत्तर पश्चिम रेलवे की नई टाइम टेबल का विमोचन

24 न्यूज अपडेट

जयपुर | 30 दिसंबर। उत्तर पश्चिम रेलवे पर यात्रा करने वाले लाखों यात्रियों के लिए नए साल के साथ बड़ा बदलाव लागू होने जा रहा है। 01 जनवरी 2026 से ट्रेनों के संचालन की नई समय सारणी (टाइम टेबल) प्रभावी होगी। मंगलवार को उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने इस नई समय सारणी का औपचारिक विमोचन किया। रेलवे प्रशासन का कहना है कि नई समय सारणी को यात्रियों की सुविधा, ट्रेनों के बेहतर संचालन और समयबद्धता को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

चारों मंडलों के लिए अलग-अलग टाइम टेबल

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशि किरण ने बताया कि नई समय सारणी जयपुर, अजमेर, जोधपुर और बीकानेर— चारों मंडलों के लिए अलग-अलग जारी की जा रही है। इससे यात्रियों को अपने-अपने रूट की सटीक और स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। नई टाइम टेबल में रेलवे ने कई अहम बदलाव शामिल किए हैं, जिनका सीधा असर यात्रियों की यात्रा योजना पर पड़ेगा— नई ट्रेनों का संचालन कुछ ट्रेनों के रूट का विस्तार ट्रेनों के फेरों में वृद्धि ट्रेन नंबरों में परिवर्तन नए स्टेशनों पर ठहराव विभिन्न स्टेशनों पर आगमन और प्रस्थान समय में संशोधन रेलवे के अनुसार इन बदलावों से भीड़ प्रबंधन, समय पालन और यात्री सुविधा में सुधार होगा।

यात्री सुरक्षा और व्यवस्था पर भी फोकस

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि समय सारणी में बदलाव केवल संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य कानून-व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और प्लेटफॉर्म प्रबंधन को भी अधिक सुचारू बनाना है। ट्रेनों के समय में संतुलन से अनावश्यक भीड़ और अव्यवस्था को कम किया जा सकेगा। समय सारणी के विमोचन अवसर पर महाप्रबंधक श्री अमिताभ के साथ प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री मदन देवड़ा, मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक सुश्री मैत्रेई चारण, उप मुख्य परिचालन प्रबंधक (कोचिंग) श्री रमेश वशिष्ठ, उप महाप्रबंधक (सामान्य) श्री शशांक भी उपस्थित रहे। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे 01 जनवरी 2026 से पहले अपनी यात्रा योजना बनाते समय नई समय सारणी अवश्य देखें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

रेलवन ऐप पर न्यू इयर सेल, अनारक्षित टिकट पर 3% की सीधी छूट, 14 जनवरी से 6 छह माह तक प्रायोगिक योजना, डिजिटल भुगतान को मिलेगा बढ़ावा

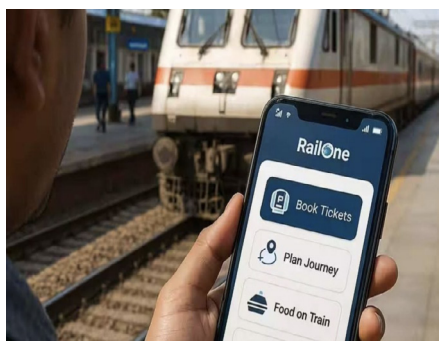

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। अब रेलवन ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर यात्रियों को सीधे 3 प्रतिशत की छूट मिलेगी। यह सुविधा 14 जनवरी 2026 से अगले छह महीने तक प्रायोगिक रूप से लागू की जाएगी। अब तक रेलवन ऐप पर आर-वॉलेट से अनारक्षित टिकट बुक करने पर 3 प्रतिशत बोनस कैशबैक दिया जाता था, लेकिन नई व्यवस्था के तहत 14 जनवरी 2026 से रेलवन ऐप पर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों (यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग आदि) से अनारक्षित टिकट लेने पर यात्रियों को सीधी 3 प्रतिशत छूट का लाभ मिलेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने बताया कि रेल मंत्रालय ने डिजिटल टिकट बुकिंग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया है। यह छूट रेलवन ऐप पर अनारक्षित टिकट की डिजिटल बुकिंग पर लागू होगी, हालांकि आर-वॉलेट को इससे अलग रखा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आर-वॉलेट के माध्यम से टिकट बुक करने पर पहले की तरह 3 प्रतिशत बोनस कैशबैक की व्यवस्था जारी रहेगी, जबकि अन्य डिजिटल माध्यमों से भुगतान करने पर सीधी छूट मिलेगी। यह प्रावधान 14 जनवरी 2026 से 14 जुलाई 2026 तक लागू रहेगा। इसके बाद सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम (CRIS) द्वारा योजना की समीक्षा की जाएगी और आगे का निर्णय लिया जाएगा। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि इस पहल से न केवल डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि टिकट काउंटरों पर भीड़ कम होने के साथ यात्रियों को त्वरित और सुविधाजनक सेवा मिलेगी।

जयपुर–बांद्रा टर्मिनस के बीच चलेगी साप्ताहिक नॉन-स्टॉप प्रीमियम सुपरफास्ट ट्रेन

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। यात्रियों की बढ़ती भीड़ और अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए रेलवे ने जयपुर और मुंबई के बीच एक विशेष साप्ताहिक नॉन-स्टॉप प्रीमियम सुपरफास्ट रेलसेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन सीमित अवधि के लिए चलाई जाएगी, जिससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को सीधी और तेज कनेक्टिविटी मिल सकेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार, गाड़ी संख्या 09705 जयपुर–बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट नॉन-स्टॉप प्रीमियम ट्रेन का संचालन 4 जनवरी 2026 से 22 फरवरी 2026 तक कुल 8 फेरे किया जाएगा। यह ट्रेन प्रत्येक रविवार को शाम 6 बजकर 40 मिनट पर जयपुर से रवाना होकर अगले दिन सुबह 11 बजकर 20 मिनट पर बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। इसी क्रम में गाड़ी संख्या 09706 बांद्रा टर्मिनस–जयपुर साप्ताहिक सुपरफास्ट नॉन-स्टॉप प्रीमियम ट्रेन का संचालन भी इसी अवधि में किया जाएगा। यह ट्रेन प्रत्येक सोमवार को दोपहर 2 बजकर 40 मिनट पर बांद्रा टर्मिनस से रवाना होकर अगले दिन सुबह 8 बजकर 45 मिनट पर जयपुर पहुंचेगी। रेलवे के अनुसार यह ट्रेन नॉन-स्टॉप श्रेणी में संचालित होगी। मार्ग में यह केवल परिचालनिक आवश्यकताओं के कारण चंदेरिया, रतलाम और सूरत स्टेशनों पर ठहरेगी, जहां यात्री चढ़ने-उतरने की सुविधा नहीं होगी। इस प्रीमियम सुपरफास्ट ट्रेन में कुल 18 कोच होंगे, जिनमें— 1 फर्स्ट एसी, 2 सेकंड एसी, 8 थर्ड एसी,1 थर्ड एसी इकोनॉमी, 4 द्वितीय श्रेणी शयनयान, 2 पावरकार, शामिल हैं। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस विशेष रेलसेवा से जयपुर और मुंबई के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को न केवल राहत मिलेगी, बल्कि भीड़ के दबाव को नियंत्रित करने में भी मदद मिलेगी।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर उदयपुर में कड़ा पुलिस पहरा, 31 दिसंबर की रात शहर अलर्ट, नशे में ड्राइविंग–स्टंट पर सख्ती, विस्तृत ट्रैफिक प्लान लागू

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नववर्ष 2026 के स्वागत को लेकर 31 दिसंबर की रात शहर में होने वाली भीड़, पर्यटन गतिविधियों और आयोजनों को ध्यान में रखते हुए उदयपुर पुलिस ने विशेष सुरक्षा और यातायात व्यवस्था लागू की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश ओझा ने बताया कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी थाना क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल, नाकाबंदी और मोबाइल पार्टियों की तैनाती की गई है।शहर के सभी प्रमुख चौराहों और पर्यटन स्थलों पर ब्रेथ एनालाइज़र से जांच कर शराब पीकर वाहन चलाने वालों, तेज गति से वाहन दौड़ाने वालों और स्टंट करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। काला किवाड़, देवाली, फतहसागर, रानी रोड जैसे इलाकों में विशेष निगरानी रहेगी। अवैध शराब और नशीले पदार्थों पर जीरो टॉलरेंस रात्रि 8:00 बजे के बाद शराब बिक्री करने वाले लाइसेंसधारी व गैर-लाइसेंसधारी दुकानदारों के खिलाफ प्रकरण दर्ज होंगे। नववर्ष पार्टियों में अवैध शराब या नशीले पदार्थ परोसने पर होटल–रिसोर्ट मालिक, प्रबंधक और संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय और राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार लाउडस्पीकर और ध्वनि यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध की सख्ती से पालना कराई जाएगी।

नववर्ष पर लागू विस्तृत वन-वे व यातायात व्यवस्था (सभी रूट्स)

1. पटेल सर्कल से चारपहिया/तीनपहिया वाहन किशनपोल, गवर्नमेंट प्रेस, पाला गणेशजी की ओर प्रवेश निषेध रहेगा।
2. अंबामाता चौक व ब्रह्मपोल गेट से तीनपहिया/चारपहिया वाहन जाड़ा गणेशजी व चांदपोल की ओर नहीं जा सकेंगे।
3. समस्त दुपहिया/तीनपहिया/चारपहिया वाहन अरावली वाटिका अंबावगढ़ जाटवाड़ी/नई पुलिया होते हुए चांदपोल, जाड़ा गणेशजी, अंबापोल, ब्रह्मपोल व अंबामाता चौक की ओर जा सकेंगे। वाहन मस्जिद के सामने विकसित नई पार्किंग में पार्क किए जा सकेंगे।
4. सिटी पैलेस जाने वाले वाहन सूरजपोल चौराहा पुराना सीआर अमृत नमकीन मान होटल बर्फ फैक्ट्री गुलाब बाग रोड काला जी गौरा जी रंग निवास सिटी पैलेस की ओर जा सकेंगे।
5. सिटी पैलेस से बाहर आने वाले वाहन दूध तलाई पाला गणेशजी किशनपोल पटेल सर्कल की ओर जाएंगे।
6. दुपहिया व तीनपहिया वाहन सूरजपोल चौराहा पुराना सीआर अमृत नमकीन मान होटल बर्फ फैक्ट्री गुलाब बाग रोड काला जी गौरा जी रंग निवास पर्यटन थाना जगदीश चौक बड़ी पोल, निकासीः जगदीश चौक घंटाघर थाना मोती चौहट्टा हरवेन जी का खुर्रा हाथीपोल।
7. हाथीपोल से तीनपहिया/चारपहिया वाहन घंटाघर व जगदीश चौक की ओर नहीं जा सकेंगे।
8. जगदीश चौक तक जाने वाले वाहन सूरजपोल चौराहा नमकीन मान होटल बर्फ फैक्ट्री गुलाब बाग रोड रंग निवास पर्यटन थाना जगदीश चौक।
9. चांदपोल–गढ़िया देवरा क्षेत्र दुपहिया/तीनपहिया वाहन जगदीश चौक बड़ी पोल तक जा सकेंगे।
10. समस्त दुपहिया/तीनपहिया/हल्के चारपहिया वाहन फतहसागर काला किवाड़ से प्रवेश झरना टी-पॉइंट नीलकंठ की ओर जा सकेंगे।
11. टूरिस्ट बसों के लिए व्यवस्था पारस तिराहा, आरके चौराहा व प्रतापनगर से शहर में प्रवेश निषेध। टूरिस्ट बसें पारस रेती स्टैंड हाड़ी रानी चौराहा जडाव नर्सरी हिरणमगरी थाना सेवाश्रम चौराहा प्रतापनगर शोभागपुरा आरके सर्कल तक ही संचालित होंगी।

उज्जैन अंतर्राष्ट्रीय कलापर्व में उदयपुर के चित्रसेन को राष्ट्रीय अभ्युदय सम्मान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 दिसंबर। उज्जैन की संस्था कलावर्त न्यास की ओर से आनंदमंगल परिसर में चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कला का आयोजन किया गया। न्यास अध्यक्ष डॉ चंद्रशेखर काले ने बताया कि महोत्सव में उदयपुर के चित्रकार डॉ चित्रसेन को राष्ट्रीय अभ्युदय सम्मान से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार राष्ट्रीय स्तर पर उन चित्रकारों को दिया जाता है जो कला में नवीन प्रयोग के लिए जाने जाते हैं.। भव्य समारोह में यह सम्मान डॉ चंद्रशेखर काले, चिन्मय बिस्वाल, हिम चटर्जी, विजेंद्र शर्मा और कालिदास अकादमी के अध्यक्ष द्वारा प्रदान किया गया.।

उल्लेखनीय है कि इस अंतरराष्ट्रीय कला महोत्सव में उदयपुर से चेतन औदिच्य, कुमार अशोक, राजेश यादव, शाहिद परवेज,सुशील निंबार्क को भी आमंत्रित किया गया। ब्रिटेन, मलेशिया, श्रीलंका आदि देशों से आए कलाकारों के साथ इन सभी चित्रकारों ने पेंटिंग बनाई। डॉ चित्रसेन ने महाकाल की नगरी में भगवान विष्णु को कैनवास पर प्रकट कर मेवाड की कला प्रस्तुत की वहीं चेतन औदिच्य द्वारा कालिदास की कृति कुमारसंभव पर आदृत पेंटिंग 'रति-रंग' अनेक चित्रकारों चर्चा की। पिछले सत्ताईस वर्षों से प्रतिवर्ष कलावर्त न्यास का यह प्रतिष्ठित महोत्सव आयोजित होता है जिसमें देश और विदेश से दो सौ से अधिक कलाकारों की भागीदारी रहती है। इस दौरान पेंटिंग बनाने के साथ विविध गतिविधियां भी आयोजित होती हैं जिनमें कलाकारों का संवाद सत्र आदि प्रमुख है। डॉ चंद्रशेखर काले के अनुसार इस बार दिल्ली के प्रसिद्ध कलाकार विजेन्द्र शर्मा तथा लंदन के कलाकार मार्क राफ्टर से चेतन औदिच्य का संवाद प्रमुख था। कला शिविर के दौरान अपने उद्बोधन में वरिष्ठ कलाकार अमृत पटेल ने कहा कि देश में यह महोत्सव अपनी तरह का अकेला और सचमुच का कलाकैंप है जिसमें इतनी बडी मात्रा में कलाकार एक साथ कलाकर्म करते हैं।

जयकारों के साथ कुलदेवी मां अन्नपूर्णा के द्वार पहुंचा औदिच्य समाज का 160 यात्रियों का जत्था

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 दिसंबर। श्री लक्ष्मीनारायण युवा परिषद, पाणुन्द एवं श्री परशुराम गरबा मंडल उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में अन्नकूट अवसर पर औदिच्य समाज की माता-बहनों के लिए निःशुल्क गुजरात तीर्थ यात्रा आयोजित की गई। तीन बसों में 160 यात्रियों का जत्था उदयपुर से रवाना होकर सिद्धपुर पाटन पहुंचा, जहां समाज की कुलदेवी मां अन्नपूर्णा के दर्शन कर महाप्रसाद का आयोजन हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं ने शक्तिपीठ अंबाजी व गब्बर पहाड़ के दर्शन किए। पूरी यात्रा में आवागमन, भोजन व ठहराव की व्यवस्थाएं आयोजकों द्वारा निःशुल्क की गईं। यात्रा के साथ परिषद का वार्षिक अधिवेशन भी हुआ।

इस अवसर पर संस्थापक हीरालाल गोकलावत, निवर्तमान अध्यक्ष झमकलाल धूलावत, पूर्व अध्यक्ष बंशीलाल पतावत, नारायण हीरावत, गणेशलाल डूंगावत, कोषाध्यक्ष डालचंद बोरीवाला, मांगीलाल पतावत, भोपाजी गणेशलाल औदिच्य ईडाणा सहित समाजजनों ने सहभागिता निभाई।

मदिरा प्रेमियों के लिए खुश खबरी, 'सिटीजन ऐप' पर QR स्कैन करते ही मिलेगी बोतल की पूरी कुंडली

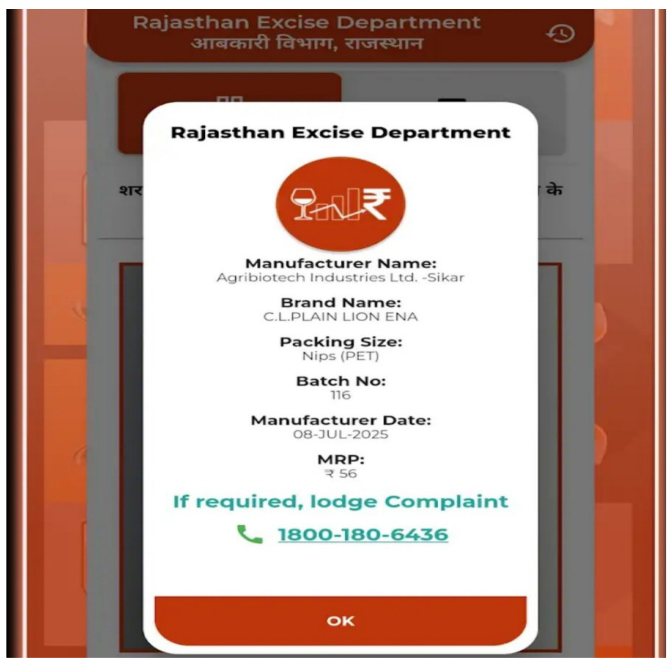

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर | प्रदेश में अवैध और नकली शराब के बढ़ते खतरे के बीच आबकारी विभाग ने आम नागरिकों को बड़ी राहत दी है। अब शराब खरीदने वाला हर व्यक्ति बोतल की असलियत खुद जांच सकेगा। आबकारी विभाग का 'सिटीजन ऐप' अब गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है, जिसके जरिए मदिरा की बोतल पर लगे होलोग्राम स्टीकर के QR कोड को स्कैन कर रियल टाइम जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यह ऐप अवैध मदिरा की पहचान, ओवररेटिंग की शिकायत और जनजागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

QR स्कैन करते ही खुल जाएगी पूरी जानकारी

आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते ने बताया कि अनाधिकृत स्रोत से खरीदी गई मदिरा न केवल गैरकानूनी होती है, बल्कि कई बार जहरीली और जानलेवा भी साबित हो सकती है। ऐसे में उपभोक्ताओं को अधिकृत मदिरा दुकानों से ही शराब खरीदनी चाहिए और 'सिटीजन ऐप' के जरिए उसकी जांच जरूर करनी चाहिए।इस ऐप के माध्यम से मदिरा की बोतल पर लगे होलोग्राम स्टीकर के QR कोड को स्कैन करने या बोतल पर अंकित QR नंबर दर्ज करने पर उपभोक्ता को निम्न जानकारियां तुरंत मिल जाती हैं—

मदिरा का ब्रांड

अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP), पैकिंग साइज, बैच नंबर, उत्पादन की तिथि, निर्माता का नाम, इस तरह उपभोक्ता यह तुरंत जान सकता है कि बोतल असली है या नहीं और कहीं उससे अधिक कीमत तो नहीं वसूली जा रही। कैसे डाउनलोड करें 'सिटीजन ऐप' आबकारी विभाग के अनुसार यह ऐप किसी भी एंड्रॉइड मोबाइल यूजर द्वारा आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है— गूगल प्ले स्टोर पर Citizen App सर्च कर, गूगल सर्च में EMS 2.0 टाइप करने पर मिलने वाले QR कोड को स्कैन कर, आबकारी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट के होम पेज पर उपलब्ध QR कोड को स्कैन कर आवश्यक अनुमति देने के बाद ऐप को मोबाइल में इंस्टॉल कर तुरंत उपयोग किया जा सकता है।

ऐप से शिकायत भी कर सकेंगे उपभोक्ता

यदि किसी बोतल में जानकारी मेल नहीं खाती, शराब अनाधिकृत प्रतीत होती है या निर्धारित MRP से अधिक राशि मांगी जाती है, तो उपभोक्ता सीधे आबकारी विभाग को सूचना दे सकता है। इसके लिए विभाग ने कंट्रोल रूम नंबर 1800-180-6436 और ई-मेल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की सुविधा दी है। सूचना मिलने पर संबंधित जिला आबकारी अधिकारी एवं निरीक्षक द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जागरूकता से रुकेगा अवैध कारोबार

आबकारी आयुक्त ने कहा कि 'सिटीजन ऐप' के व्यापक प्रचार-प्रसार से आमजन में जागरूकता बढ़ेगी और अवैध मदिरा के विक्रय पर प्रभावी रोक लगेगी। यह ऐप सरकार के साथ-साथ नागरिकों को भी निगरानी तंत्र का हिस्सा बनाता है।

समाज को अधिक मानवीय बनाना ही लेखन का उद्देश्य : पंकज मित्र

बनास जन के पंकज मित्र विशेषांक का नई दिल्ली में लोकार्पण

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। सुप्रसिद्ध कथाकार पंकज मित्र ने कहा कि तकनीकी विकास और बाज़ार व्यवस्था ने जहां एक ओर कुछ हद तक मुक्ति दी है, वहीं दूसरी ओर एक नई तरह की अन्यायपूर्ण व्यवस्था भी खड़ी की है। मनुष्य की गरिमा और न्यायपूर्ण समाज का सपना अब भी दूर है। मेरा कहानी लेखन इसी दिशा में एक विनम्र प्रयास है कि समाज अधिक मानवीय बन सके। पंकज मित्र पर केंद्रित प्रतिष्ठित लघु पत्रिका बनास जन के विशेषांक का लोकार्पण हरकिशन सिंह सुरजीत भवन में आयोजित सादे समारोह में हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ उपन्यासकार रणेन्द्र, लेखक-अनुवादक दिगम्बर, चर्चित कथाकार कविता तथा अरुण कुमार असफल ने विशेषांक का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में पंकज मित्र ने अपने पाठकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हीं के कारण वे निरंतर लेखन में सक्रिय रह पाए हैं। आलोचक-कथाकार राजीव कुमार के संपादन में प्रकाशित इस विशेषांक में लगभग एक दर्जन आलोचकों ने पंकज मित्र की कहानियों का विस्तृत विश्लेषण और मूल्यांकन किया है। अंक में उनके साथियों संजय कुमार कुंदन और राजेश करमहे के संस्मरणों के साथ-साथ एक लंबा साक्षात्कार भी शामिल है। मूलतः झारखंड निवासी पंकज मित्र वर्ष 1996 से कहानी लेखन में सक्रिय हैं और पेशे से भारतीय प्रसारण सेवा के अधिकारी रहे हैं। समारोह को संबोधित करते हुए साहित्यकार रणेन्द्र ने कहा कि हिंदी की लघु पत्रिका परंपरा में बनास जन का विशिष्ट स्थान है और पंकज मित्र पर विशेषांक का प्रकाशन यह दर्शाता है कि हिंदी साहित्य समाज ने गंभीर और जनपक्षधर लेखकों के महत्व को स्वीकार किया है। कथाकार कविता ने पंकज मित्र को बधाई देते हुए कहा कि वे अपनी पीढ़ी के श्रेष्ठ कहानीकारों में गिने जाते रहेंगे। बनास जन के संपादक पल्लव ने पत्रिका की सत्रह वर्षीय यात्रा का उल्लेख करते हुए बताया कि पंकज मित्र पर प्रकाशित यह तरासीवां अंक है। चित्तौड़गढ़ से प्रारंभ हुई इस पत्रिका ने अब तक मीरा, नज़ीर अकबराबादी, भीष्म साहनी, नामवर सिंह, फणीश्वरनाथ रेणु, अमरकांत, मृणाल पांडे, स्वयं प्रकाश, असगर वजाहत, ओमप्रकाश वाल्मीकि और अखिलेश सहित अनेक रचनाकारों पर विशेषांक प्रकाशित किए हैं। उन्होंने लघु पत्रिकाओं को भूमंडलीकरण के प्रतिपक्ष में भारतीय संस्कृति और साहित्य की संघर्षशील आवाज़ बताया। कार्यक्रम में कवि-कथाकार श्रीधर करुणानिधि, डॉ. विदित, शोधार्थी जनार्दन सहित अनेक रचनाकार और साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

पैतृक जमीन बना खूनी विवाद की जड़, बुजुर्ग की हत्या में दो और आरोपी दबोचे गए, अब तक 7 गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। पैतृक जमीन के लालच ने एक परिवार को खूनी संघर्ष में झोंक दिया। बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई के बाद मामले में अब तक कुल सात आरोपी सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किए गए खून से सने सरिए, कुल्हाड़ी और लाठियां भी बरामद की हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक कानजी और उसके सगे भाइयों—कचरू, लालू और बापुडा—के बीच लंबे समय से पैतृक जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। कानजी ने अपने निसंतान बाबा उंकार की पूरी जमीन अपने नाम करवा ली थी और भाइयों को हिस्सेदारी नहीं दी थी। यही रंजिश समय के साथ इतनी गहरी हो गई कि अंततः हत्या का कारण बन गई।

10 दिसंबर की शाम बना खूनी दिन

घटना 10 दिसंबर की शाम की है। जब कानजी का बेटा बलदेव प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जमीन समतल करवा रहा था, तभी आरोपी एकजुट होकर मौके पर पहुंचे। हाथों में लाठियां, पत्थर और कुल्हाड़ी लिए हमलावरों ने पहले कानजी पर हमला किया और उसे बेरहमी से पीटा। यहीं नहीं रुके आरोपी—उन्होंने कानजी की गर्भवती बहू रीना और उसके बेटों को भी नहीं बख्शा। हमले में सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। हालत नाजुक होने पर कानजी को उदयपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद सभी आरोपी फरार हो गए और पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश के जंगलों में छिप गए। एसपी सुधीर जोशी के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी इनपुट और मुखबिर तंत्र के आधार पर आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की। थानाधिकारी लक्ष्मीचंद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए अनिल कुमार और मनोज उर्फ मनीष (पुत्र लालू मईडा) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने वारदात में अपनी भूमिका स्वीकार की और अहम खुलासे किए।

अब तक ये आरोपी गिरफ्तार

पुलिस अब तक इस मामले में सेवाराम वासुदेव बापुलाल (सगा भाई) कचरू (सगा भाई) मणिलाल अनिल मनोज को गिरफ्तार कर चुकी है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। इस पूरी कार्रवाई में 12 सदस्यीय पुलिस टीम ने अहम भूमिका निभाई। टीम में थानाधिकारी लक्ष्मीचंद, एएसआई रवि कुमार, रमेशचंद्र, हेड कांस्टेबल हेमेन्द्र सिंह, कृष्णपाल सिंह सहित अन्य जवान शामिल रहे।

राजस्थान राज्य ओलंपिक संघ अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत का उदयपुर आगमन, जिला ओलंपिक संघ ने किया भव्य स्वागत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. राजस्थान राज्य ओलंपिक संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत के पहली बार उदयपुर आगमन पर जिला ओलंपिक संघ उदयपुर की ओर से भव्य एवं गरिमामय स्वागत किया गया। यह स्वागत महाराणा भूपाल स्टेडियम स्थित गांधी ग्राउंड में आयोजित हुआ, जहां खेल जगत से जुड़े पदाधिकारियों और नेताओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। जिला ओलंपिक संघ उदयपुर के अध्यक्ष विनोद साहू, सचिव जालमचंद जैन तथा चेयरमैन दिनेश श्रीमाली के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों ने तेजस्वी सिंह गहलोत का पारंपरिक मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर, उपरणा ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर राजस्थान राज्य ओलंपिक संघ के अध्यक्ष बनने के बाद तेजस्वी सिंह गहलोत के पहले उदयपुर दौरे को खेल जगत के लिए महत्वपूर्ण बताया गया। स्वागत कार्यक्रम के बाद वर्ष 2026 के प्रस्तावित ओलंपिक एवं खेल गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही उदयपुर जिले में संचालित विभिन्न खेल गतिविधियों, खेल संघों की भूमिका और भविष्य की योजनाओं की जानकारी भी उन्हें दी गई। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान भाजपा के प्रदेश सहकारिता प्रकोष्ठ के संयोजक प्रमोद सामर, जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह खनुजा, सचिव मुकेश जैन, जिला तीरंदाजी संघ के सचिव गिरधारी सिंह चौहान, जिला बास्केटबॉल संघ के कोषाध्यक्ष जसवंत सिंह, भूषण श्रीमाली सहित विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी मौजूद रहे। जिला ओलंपिक संघ उदयपुर के अध्यक्ष विनोद साहू ने बताया कि राज्य स्तर पर खेलों के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराने की दिशा में यह संवाद अत्यंत सार्थक रहा और आगामी वर्षों में उदयपुर खेल गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

15 दिवसीय प्रशिक्षण में 45 प्रतिभागियों को मिला प्रमाण-पत्र, किसानों के लिए बदलाव अभिकर्ता बनने का आह्वान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रसार शिक्षा निदेशालय, उदयपुर द्वारा आयोजित 15 दिवसीय खुदरा उर्वरक विक्रेता प्राधिकार-पत्र प्रशिक्षण का सफल समापन 29 दिसंबर 2025 को हुआ। यह प्रशिक्षण 15 दिसंबर से 29 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया गया, जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों से आए कुल 45 खुदरा उर्वरक विक्रेताओं ने भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. आई.जे. माथुर, पूर्व निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर रहे। अपने उद्बोधन में डॉ. माथुर ने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने व्यवसाय का संचालन करें तथा किसानों को सही तकनीकी सुझाव देकर बदलाव अभिकर्ता की भूमिका निभाएं। उन्होंने कस्टमाइज्ड उर्वरक, संतुलित उर्वरक उपयोग एवं समन्वित उर्वरक प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नैनो फर्टिलाइजर एवं जल में घुलनशील उर्वरकों की उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही कृषि के छह प्रमुख आयाम— मिट्टी, पानी, बीज, औजार, वातावरण और किसान—को रेखांकित करते हुए कहा कि किसान सर्वोपरि है और उर्वरक विक्रेताओं को उसी को केंद्र में रखकर अपनी तैयारी करनी चाहिए। अध्यक्षता करते हुए डॉ. आर.एल. सोनी, निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, उदयपुर ने सफल व्यवसाय संचालन के गुर बताए। उन्होंने कहा कि उर्वरक विक्रेताओं को किसानों के साथ मधुर व्यवहार, विश्वासपूर्ण संबंध और उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. एम.सी. गोयल, निदेशक आवसीय निर्देशन, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उर्वरक विक्रेताओं को किसानों से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें नवीनतम एवं आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहिए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने 'छः जे' सिद्धांत—जल, जंगल, जमीन, जन, जीवन और जागरूकता—की अवधारणा को भी विस्तार से समझाया। प्रशिक्षण के समन्वयक एवं आचार्य डॉ. योगेश कनोजिया ने संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा परीक्षण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, पोषक तत्व प्रबंधन, समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन, जैविक एवं कार्बनिक खेती के लाभों पर प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी। समापन अवसर पर प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रशिक्षण के दौरान सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक जानकारियां विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों एवं राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा दी गईं। यह जानकारी डॉ. जी.एल. मीना, मीडिया प्रकोष्ठ एवं जनसंपर्क अधिकारी, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा दी गई।

रहस्यमयी मौतः ट्रैफिक ASI का घर में अधजला शव मिला, कई सवाल खड़े

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के सविना थाना क्षेत्र से मंगलवार सुबह एक चौंकाने वाली और रहस्यमयी घटना सामने आई, जब भीलिया फंदा इलाके में तैनात ट्रैफिक ASI राकेश मीणा (47) का अपने ही घर में अधजला शव मिला। घटना ने न केवल पुलिस महकमे को हिला दिया, बल्कि मौत की परिस्थितियों ने कई अनसुलझे सवाल भी खड़े कर दिए हैं।

देर रात कॉल्स, सुबह बढ़ी बेचैनी

सोमवार रात ASI की पत्नी ने कई बार फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ। रिंग जाती रही, पर जवाब नहीं मिला। रातभर अनदेखी कॉल्स के बाद मंगलवार सुबह जब फिर संपर्क नहीं हो पाया तो पत्नी को अनहोनी की आशंका हुई। उस समय वह बच्चों के साथ अपने पैतृक गांव कोटपूतली में थी। पत्नी ने पड़ोसी को घर जाकर देखने को कहा। पड़ोसी ने दरवाजा खटखटाया, काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसी दौरान घर से धुएं और जले हुए सामान की बदबू आने लगी। आशंका गहराते ही पुलिस को सूचना दी गई।

टूटा दरवाजा, जली हुई लाश

सूचना पर सविना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर का दृश्य सन्न कर देने वाला था। जिस कमरे में ASI सो रहे थे, उसी कमरे में बेड पूरी तरह जला हुआ था और उस पर ASI राकेश मीणा का अधजला शव पड़ा मिला। घर में उस समय वे पूरी तरह अकेले थे। थानाधिकारी भंवरलाल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। आशंका जताई जा रही है कि आग पहले बेड पर लगी, जिसकी चपेट में आने से ASI की मौत हुई। हालांकि आग दुर्घटना थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण—इस दिशा में जांच जारी है। 21 दिसंबर से थे ड्यूटी से गायब ट्रैफिक डीएसपी अशोक आंजना के अनुसार ASI राकेश मीणा 21 दिसंबर से ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहे थे। इससे पहले भी वे कई बार बिना सूचना के गैरहाजिर रहे थे। सहकर्मियों के अनुसार वे कम बातचीत करने वाले और शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। घटना के बाद पुलिस महकमे में शोक की लहर है। फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस अब इस मामले को दुर्घटना, आत्महत्या या किसी अन्य संदिग्ध पहलू—तीनों कोणों से जांच रही है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।